साहित्य अकादेमी ने सुरजीत पातर के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, लोकसत्य। पंजाबी के प्रख्यात कवि,गद्यकार, अनुवादक और शिक्षाविद सुरजीत पातर के निधन पर साहित्य अकादेमी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उनका निधन 11 मई 2024 को हो गया था ।

साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव द्वारा जारी शोक संदेश में कहा गया है कि अपने 79 वर्ष के जीवनकाल में उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से पंजाबी भाषा और साहित्य को देश-विदेश में प्रतिष्ठा दिलाई। उनका पहला काव्य-संग्रह कोलाज था और पहला गजल संग्रह 1978 में हवा विच लिखे हरफ के नाम से प्रकाशित हुआ। उनकी कविता और गद्य की 10 से अधिक किताबें प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने आठ विश्व प्रसिद्ध काव्य-नाटकों का पंजाबी में रूपांतरण किया। उन्होंने दूरदर्शन पर सूरज दा सनमाना के तहत कविता के इतिहास पर काव्य-धारावाहिक के 30 एपिसोड किए थे। इसके लिए उन्होंने खोज, आलेख और पेशकारी भी की थी। वे पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना में पंजाबी के प्रोफेसर रह चुके थे। सुरजीत पातर के निधन से साहित्य जगत शोक संतप्त है और उनके जाने से पंजाबी ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारतीय साहित्य की अपूरणीय क्षति हुई है।